खेती री बातां

वर्ष–15 अंक–10 मासिक पत्रिका आर.एन.आई – 70296/98 5 अक्टूबर 2012 वार्षिक शुल्क –12 रुपये

राज्य स्तरीय कृषक सम्मान समारोह–2012

जयपुर, 19 सितम्बर। विधाश्रम स्कूल के महाराणा प्रताप सभागार में कृषि विभाग के तत्वाधान में आत्मा योजनान्तर्गत आयोजित तीसरे "राज्य स्तरीय कृषक सम्मान समारोह" में 496 प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया गया। इस समारोह के तहत राज्य स्तर पर 2 कृषकों को 50–50 हजार, जिला स्तर पर 64 कृषकों को 25–25 हजार (कृषक सूची पृष्ठ 4 पर) तथा पंचायत समिति स्तर पर 430 कृषकों को 10–10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के चैक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने किसानों का आह्वान किया कि पानी के महत्व को समझते हुये खेती में कम पानी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बूंद–बूंद व फव्वारा सिंचाई पद्धति को अपनाएं। उन्होंने प्रगतिशील व नवाचारी किसानों से कहा कि वे अन्य किसानों के प्रेरणा स्त्रोत बनकर प्रदेश को विकास की ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में उपलब्ध पानी का मात्र एक प्रतिशत भाग ही राजस्थान में उपलब्ध है। ऐसे में हम सभी को पानी के महत्व को समझना होगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है। श्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार कृषकों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है। राज्य सरकार के आग्रह पर केन्द्र ने ऐतिहासिक निर्णय लेकर पाले व शीतलहर से प्रभावित किसानों को इस साल से मुआवजा देने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने समारोह में सम्मानित होने वाले किसानों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे मेहनतकश किसानों ने देश में हरित क्रान्ति का सपना साकार किया और देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है। पवन ऊर्जा व सौर ऊर्जा से बिजली का उत्पादन बढ़ रहा है। प्रदेश में पशुधन के लिए क्रान्तिकारी योजना "मुख्यमंत्री पशुधन निःशुल्क दवा योजना" की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि मंत्री श्री हरजीराम बुरड़क ने कहा की पुरस्कार से किसानों का सम्मान हुआ है तथा उनके बीच प्रतिस्पर्द्धा भी बढ़ी है। इसके परिणामस्वरुप खेती, बागवानी व पशुपालन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ा है। उन्होंने कृषक सम्मान के लिए मुख्यमंत्री की पहल को अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया। श्री बुरड़क ने कहा कि राज्य में संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं में किसानों का भी हित जुड़ा हुआ है।

कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री डी.बी. गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभागीय योजनाओं एव उपलब्धियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अतिथियों ने रबी अभियान हेतु नूतन कृषि साहित्य का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आयोजित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह में राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष श्री नारायण सिंह, कृषि राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार, तकनीकी शिक्षा (कृषि) राज्य मंत्री श्री मुरारी लाल मीणा, बीज निगम के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र राठौड़, पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री बृजेन्द्र सिंह सूपा, कृषि आयुक्त श्री भवानी सिंह देथा सहित प्रशासनिक अधिकारी, राज्य के विभिन्न जिलों से आये किसान एवं पशुपालक उपस्थित थे। अन्त में आयुक्त, कृषि श्री भवानी सिंह देथा ने सभी का आभार प्रकट किया ।

राज्य में 1 अक्टूबर से रबी अभियान शुरु

प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि, उद्यान, पशुपालन, कृषि विपणन आदि विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की जानकारी सीधे ही कृषकों तक पहुँचाने हेतु राज्य में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी रबी अभियान दिनांक 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, 2012 तक चलाया जाएगा।

रबी अभियान में की जाने वाली मुख्य गतिविधियां

- स्थानीय जलवायु के अनुरुप कृषकों को तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञों का कृषकों के साथ सीधा संवाद।
- रबी फसलों के प्रमाणित बीजों का बीज रथ द्वारा वितरण।
- पशुओं के लिए कृमिनाशक औषधियाँ, मिनरल मिक्श्चर व टीकाकरण।
- कृषकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड।
- विभागीय योजनाओं की अनुदान पत्रावलियां तैयार कराना।
- मृदा की जांच हेतु नमूना संग्रहण व मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण।
- विभिन्न व्यक्तिगत लाभार्थी

शेष पृष्ठ 4 पर.....

केपीटल इन्वेस्टमेन्ट पॉलिसी का किसान लाभ उठाएं

जयपुर, 18 सितम्बर। कृषि मंत्री श्री हरजीराम बुरड़क की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के समिति कक्ष में ईजरायल भ्रमण पर गये अधिकारियों एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्राप्त तकनीकी ज्ञान के उपयोग की जानकारी प्राप्त करने के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इजरायल भ्रमण पर गये प्रगतिशील कृषकों ने उनके द्वारा प्राप्त ज्ञान एवं अनुभवों के प्रयोग से अवगत कराया। इस अवसर पर श्री बुरड़क ने कहा कि प्रगतिशील कृषक इजरायल कृषि

शेष पृष्ठ 4 पर.....

E mail : kheti_ri_batan@yahoo.co.in

इस अंक में....

www.krishi.rajasthan.gov.in

◆ खेती के उन्नत तरीके अपनाएंः अधिकतम उपज पाएं
पृष्ठ 2

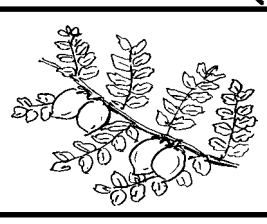

◆ इस माह के कृषि कार्य
◆ परख
◆ चने की उपज बढ़ाने का आसान तरीका
पृष्ठ 3

◆ रबी 2012–13 हेतु प्रमाणित बीज की विक्रय दरें घोषित
◆ "राज्य स्तरीय कृषक सम्मान समारोह" में सम्मानित हुए कृषकों की सूची
पृष्ठ 4

खेती के उन्नत तरीके अपनाएं : अधिकतम उपज पाएं

फसल	किस्म	पकाव अवधि (दिनों में)	उपज (क्वि.प्रति है.)	बीज दर (किलो प्रति है.)	बुवाई पूर्व उर्वरक (किलो प्रति है.)		खडी फसल में यूरिया (किलो प्रति है.)	क्तारों के बीच दूरी (सेमी.)	विशेष विवरण
					विकल्प–1 (डीएपी + यूरिया)	विकल्प–2 (एसएसपी +यूरिया)			
गेहूँ	पी.बी.डब्ल्यू 343	140–150	50–60	100	80+70	220+100	100	22–23	सामान्य बुवाई, अधिक उर्वरता क्षेत्र।
	राज.3077	100–105	45–50	100				20–22	सामान्य,पछेती,लवणीय क्षेत्र।
	राज.4037	120–130	55–60	100				20–22	सामान्यबुवाई,गर्म जलवायु सहनशील
	पी.बी.डब्ल्यू 550	128–135	45–58	100				22–23	सामान्य बुवाई।
	राज.3777	105–110	25–30	125				20–23	पछेती बुवाई(15 जनवरी तक)।
	राज.3765	117–122	45–50	125				20–23	पछेती बुवाई, रोली रोधक।
	पी.बी.डब्ल्यू 373	130–135	40–45	125				22–23	पछेती बुवाई, रोली रोधक।
	राज.4083	115–118	35–40	125				20–22	पछेती बुवाई, रोली रोधक।
	राज.4120	117–124	48–58	100				20–22	सामान्य बुवाई,यूजी 99 रोली रोधक
	डब्ल्यू.एच 1080	127–133	32–34	125				20–22	बारानी व कम पानी वाले क्षेत्र।
जौ	आर.डी.2035	115–125	65–75	100	45+50	125+65	65	23–25	सिंचित क्षेत्र,सामान्य बुवाई।
	आर.डी.2052	120–125	45–65	100				23–25	मोल्या ग्रस्त व सामान्य बुवाई।
	आर.डी.2503	120–125	45–55	100				23–25	सिंचित क्षेत्र,सामान्य बुवाई।
	आर.डी.2508	118–120	30–35	100				23–25	असिंचित क्षेत्र,देर से बुवाई।
	आर.डी.2552	125–130	50–60	100				23–25	सिंचित,सामान्य बुवाई,क्षारीय,लवणीय
	आर.डी.2592	115–125	45–50	100				23–25	सिंचित,सामान्य बुवाई।
	आर.डी.2624	115–120	28–30	100				23–25	असिंचित,सामान्य बुवाई,मोल्या रोधी।
	आर.डी.2660	115–120	24–25	100				23–25	असिंचित,सामान्य बुवाई।
	आर.डी.2715	120–125	26–28	100				23–25	सिंचित ,हराचारा(50–55दिन), दाना
चना	जी.एन.जी.1581 (गणगौर)	130–135	22–24	70–80	80+10	250+45	–	30–32	झुलसा, जड़गलन रोधी।
	जी.एन.जी.1488 (संगम)	130–135	15–20	70–80				30–32	देर से बुवाई (दिसम्बर प्रथम सप्ताह)
	दाहोद यलो	90–105	15–20	70–80				30–32	पीले मोटे दानों वाली किस्म।
	आर.एस.जी 888 (अनुभव)	130–135	20–25	70–80				30–32	उखटा,जड़गलन, सूखा सहनशील।
	सी.एस.जे.डी 884 (आकाश)	130–135	20–25	70–80				30–32	असिंचित, बारानी, उखटा, जड़गलन
	आर.एस.जी.973 (आभा)	125–130	15–20	70–80				30–32	बारानी क्षेत्र,अधिक सूखा सहनशील।
	आर.एस.जी.945 (आशा)	125–130	20–25	70–80				30–32	पछेती,उखटा व सूत्रकृमि प्रतिरोधी।
	आर.एस.जी.के.6 (आसार)	135–140	15–20	100				30–32	काबुली चना,जड गलन,सूत्रकृमि प्रतिरोधी।
	आर.एस.जी.896 (अपर्ण)	125–130	15–20	70–80				30–32	उखटा, जडगलन बी.जी.एम.स्टन्ट वाइरस प्रतिरोधी।
	आर.एस.जी.991 (अपर्णा)	135–140	20–22	70–80				30–32	हरे चने की किस्म,जड़गलन, उखटा रोग प्रतिरोधी।
सरसों	टी–59 (वरूणा)	125–140	15–18	4–5	70+40	190+65	65	30–35	सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र।
	पूसा बोल्ड	130–140	12–15	4–5				30–35	मोटे दाने कि किस्म।
	आर.एच.30	130–135	12–15	4–5				30–35	मिश्रित खेती,देर से बुवाई।
	लक्ष्मी	140–150	20–22	4–5				30–35	मोटे दाने,सिंचित क्षेत्र।
	पी.आर.45 (क्रांति)	125–135	15–18	4–5				30–35	पाला,तुलासिता व सफेद रोली रोधी
	बायो 902 (पूसा जय किसान)	130–140	18–20	4–5				30–35	तुलासिता ,सफेद रोली व मुरझान रोधी।
	पी.सी.आर 7 (रजत)	130–140	15–20	4–5				30–35	बारानी क्षेत्र के लिए।
	आर.एन.505	125	14–15	4–5				30–35	पछेती,तना सडन व पाला सहनशील
	आर.एच.9304 (वसुन्धरा)	130–135	20–21	4–5				30–35	सफेद रोली रोधी।
	आर.जी.एन.73	125–130	22–25	4–5				30–35	सफेदरोली,पत्तीधब्बा रोग,पाला रोधी
मेथी	आर.एम.टी.1	140–150	15–20	20–25	90+10	250+45	45	30	जड गलन,छाछ्या रोधी।
	आर.एम.टी.143	140–150	15–20	20–25				30	छाछ्या रोधी व भारी मिटटी क्षेत्र।
	आर.एम.टी.305	120–130	18–20	20–25				30	छाछ्या रोग रोधी।
जीरा	आर.एस.1	80–90	10–12	12–15	45+15	125+35	35	22.5–25	सामान्य, सिंचित क्षेत्र।
	आर.जेड.19	120–125	10–12	12–15				22.5–25	उखटा, छाछ्या व झुलसा रोधी।
	आर.जेड.209	120–125	10–12	12–15				22.5–25	छाछ्या रोधी किस्म।
	आर.जेड.223	120–130	10–12	12–15				22.5–25	उखटा व झुलसा रोधी।
	गुजरात जीरा.2	100–110	10–12	12–15				22.5–25	सामान्य सिंचित क्षेत्र।
	जी.सी.4	120	6–7	12–15				22.5–25	उखटा, छाछ्या व झुलसा रोधी।
धनियाँ	आर.सी.आर.41	140–145	10–12	15–20	65+40	190+65	65	30	तना सूजन व उखटा रोधी।
	आर.सी.आर.436	100–105	15–16	15–20				30	छाछ्या व लोंगिया रोग मध्यम रोधी

अच्छी उपज के लियेः–

- बीज जनित रोगों से बचाव के लिये 4–8 ग्राम ट्राइकोडर्मा या 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम या 2 ग्राम मैन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें।
- **मिट्टी की जांच करवा कर उर्वरक देवें।** असिंचित फसल में उर्वरक की ऊपर दी गई मात्रा की आधी मात्रा काम में लेवें।
- अनाज फसलों में एजेटोबैक्टर, दलहनी फसलों में राइजोबियम व सभी फसलों में पी.एस.बी.कल्चर से बीज उपचार करें।
- तिलहनी व दलहनी फसलों में अन्तिम जुताई के समय 250 किलोग्राम जिप्सम प्रति हैक्टर देवें।

इस माह के कृषि कार्य

फसलोत्पादन

★ **सरसों** की फसल को सफेद रोली रोग से बचाने हेतु 6 ग्राम मैटेलेक्जिल (एप्रोन 35 एस.डी.) नामक दवा से प्रति किलो बीज को उपचारित कर बोयें।

★ **तिलहनी व दलहनी** फसलों में 250 किलो जिप्सम प्रति हैक्टर डालें।

★ **अलसी** की जवाहर–23, टी–397, त्रिवेणी, किरण, एल.सी.के.–8528 आदि किस्में बोयें।

बागवानी

★ **आम** के पौधे में इस माह में मिलीबग कीट के आक्रमण की संभावना रहती है। अतः शिशु कीटों को पेड़ों पर चढ़ने से रोकने के लिए एल्काथिन (400 गेज) की 30 सेमी चौड़ी पट्टी जमीन से 2 फुट ऊंचाई पर तने के चारों तरफ लगायें एवं इस पर ग्रीस का लेप करें। यदि पेड़ों पर मिली बग चढ़ गये हैं तो डाइमिथोएट 30 ई. सी. 1.5 मिली या एसिफेट 75 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

★ **बेर** के फलों का आकार मटर के दाने के समान होने पर डायमिथोएट 30 ई.सी. 1 मिली. दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। इस माह यूरिया 600 ग्राम प्रति पौधा के हिसाब से डालकर सिंचाई करें।

सब्जियाँ

★ **बैंगन** की बसंतकालीन फसल हेतु नर्सरी में तैयार पौध का खेत में 60 X 60 सेन्टीमीटर की दूरी पर रोपण करें।

★ **टमाटर** की सर्दी की फसल हेतु तैयार पौध का खेत में 75 X 75 सेमी की दूरी पर रोपण करें। रोपण पूर्व खेत की तैयारी के साथ सड़ी गोबर की खाद 150 क्विंटल, नत्रजन 60 किलो, फॉस्फोरस 80 किलो व पोटाश 60 किलो प्रति हैक्टर की दर से मिलायें।

★ **फूल गोभी व पत्ता गोभी** की पछेती किस्मों की तैयार पौध का खेत में 60 X 45 सेमी की दूरी पर रोपण करें।

★ **गाजर** की नारंगी रंग की किस्मों जैसे नेन्टिस या पूसा मंदागिनी की बुवाई करें। इसकी बीज दर 5–6 किलो प्रति हैक्टर रखें।

★ **मूली** की बुवाई हेतु जापानीज व्हाईट उन्नत किस्म है। बीज दर 10–12 किलो प्रति हैक्टर तथा कतारों के बीच 30 सेमी व पौधों के बीच 8–10 सेमी दूरी रखें।

पशुपालन

★ पशुओं को खुरपका–मुंहपका का टीका अवश्य लगवायें।

★ नवजात बच्चों को खीस (कोलस्ट्रम) अवश्य पिलाएं।

★ स्वच्छ दुग्ध उत्पादन हेतु पशुओं, स्वयं, वातावरण तथा बर्तनों की स्वच्छता का ध्यान रखें।

परख

सितम्बर, 2012 के अंक में प्रकाशित आलेख में से दो प्रश्न पूछे गये थे। सही उत्तर भेजने वाले कृषकों में से लॉटरी द्वारा चुने गये दो विजेता कृषकों के नाम हैं–

1. **श्री लल्लू राम बलाई**
   पुत्र श्री रामधन बलाई,
   ग्रा0 पो0–खोरड़ा,
   वाया– मालाखेड़ा,
   जिला–अलवर–301406
2. **श्री चरण सिंह**
   पुत्र श्री रामकुंवार गैणा,
   ग्राम –दौलत खेड़ा,
   पोस्ट– मांगलियावास
   जिला–अजमेर–305203

इस माह के प्रश्न हैं –

प्र.1 राज्य में रबी अभियान–2012 कब से कब तक चलेगा ?

प्र.2 "राज्य स्तरीय कृषक सम्मान समारोह–2012" में कुल कितने कृषकों को सम्मानित किया गया ?

तो आप भी उठाइये पैन व पोस्ट कार्ड और हमें लिख भेजिये इन दोनों प्रश्नों के सही जवाब इस पते पर –

उप निदेशक कृषि (सूचना),
कमरा नम्बर 118,
पंत कृषि भवन, जयपुर 302005

चने की उपज बढ़ाने का आसान तरीका

● चने के लिये लवण व क्षार रहित, जल विकास वाली उपजाऊ भूमि उपयुक्त रहती है। पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलों की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता है।

● आखरी जुताई के समय 250 किलोग्राम जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से डालने से दाने सुड़ौल व चमकदार बनते हैं। दीमक और कटुआ लट से बचाव के लिए क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर के हिसाब से भुरक कर आखरी जुताई करें।

● हमेशा प्रमाणित बीज ही बोयें। **उन्नत किस्में** (पृष्ठ संख्या 2 की सारणी में दिये अनुसार)।

● बुवाई के लिए 70 से 80 किलो बीज एक हैक्टर के लिए पर्याप्त होता है।

● **बीजोपचार**–जड़गलन व उखटा रोग की रोकथाम के लिए 6 ग्राम ट्राईकोडर्मा मित्र फफूँद या कार्बेण्डेजिम या थाईरम 2 ग्राम के साथ टॉपसिन–एम. 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करना चाहिए।

● **दीमक** के प्रकोप वाले खेतों में 8 मिलीलीटर क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से काम में लें। इसके

बाद बीजों को राइजोबियम तथा पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित करें।

● मिट्टी की जाँच करवा कर ग्राम स्तरीय मृदा स्वास्थ्य कार्ड या जिले की पुस्तिका में दी गयी सिफारिश के अनुसार **उर्वरक** डालें। डी.ए.पी. की तुलना में सिंगल सुपर फॉस्फेट ज्यादा लाभकारी है। सिंगल सुपर फॉस्फेट में फॉस्फोरस के साथ–साथ गंधक और केल्शियम तत्व भी होता है।

● मिट्टी की जाँच नहीं करवाई हो तो सिंचित फसल के लिए 250 किलो सिंगल सुपर फॉस्फेट व 45 किलो यूरिया या 85 किलो डी.ए.पी. व 10 किलो यूरिया तथा असिंचित फसल में इसकी आधी मात्रा डालें। उर्वरक बीज की सतह से 2 सेमी गहराई व 5 सेमी दूरी पर ऊरकर डालें।

● कतार से कतार की दूरी 30 सेन्टीमीटर यानि एक फुट रखें। भारी मिट्टी वाले क्षेत्रों में कतार से कतार की दूरी 45 सेन्टीमीटर रखें। बुवाई का सही समय **अक्टूबर** माह होता है। सिंचित क्षेत्र में बुवाई नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक की जा सकती है।

● पहली **सिंचाई** बुवाई के 40 से 45 दिन बाद (फूल आने से पूर्व) एवं दूसरी सिंचाई 80–90 दिन (फलियाँ बनना शुरू होने) पर करनी चाहिए।

● **फली छेदक** लट चने की फसल का प्रमुख कीट है। फेरोमेन ट्रेप लगाकर आर्थिक हानि स्तर का पता करें। जैविक कीटनाशी एन. पी.वी. 250 एल.ई. या बी.टी. 750 मिलीलीटर 400–500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

● झुलसा रोग (एस्कोकाइटा ब्लाइट) के लक्षण दिखाई देते ही मैन्कोजेब 2 ग्राम या कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 ग्राम या घुलनशील गन्धक 2 ग्राम का घोल प्रति लीटर पानी में बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 4 छिड़काव करें।

इस तरह उन्नत किस्म, बीजोपचार, समय पर बुवाई, सिंचाई व कीट–बीमारियों का प्रबन्धन करके 20 क्विंटल प्रति हैक्टर तक चने की उपज प्राप्त कर सकते हैं।

जानकारी, आदान और अनुदान

रबी अभियान – 2012

रबी अभियान में आयें
भरपूर लाभ उठाएं
समझदार कृषक कहलाएं

अधिक जानकारी के लिये निकट के कृषि विस्तार कार्यकर्ता से सम्पर्क करें।

ऐसे मंगवायें "खेती री बातां"

घर बैठे वर्षभर **खेती री बातां** अखबार मंगवाने के लिये अपने नजदीकी कृषि कार्यालय में सम्पर्क करें या आहरण वितरण अधिकारी, कृषि आयुक्तालय कमरा नं. 250, पंत कृषि भवन, जयपुर के नाम 12/– रुपये का मनीआर्डर भेजें। **स्वयं का साफ–साफ डाक का पूरा पता, पिन कोड नंबर व मोबाइल नंबर अवश्य लिखें।**

डाक पं.सं. RJ/JPC/M-16/2012-14

आर.एन.आई – 70296/98

प्रेषक–
उप निदेशक कृषि (सूचना)
118, पंत कृषि भवन,
जयपुर–302005

प्रेषिति–

पृष्ठ 1 का शेष..........केपीटल इन्वेस्टमेन्ट.......

तकनीकी पद्धति एवं जल प्रबंधन व उपयोग की जानकारी अपने तक सीमित नहीं रखकर दूसरे कृषकों को भी लाभ पहुंचायें। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य रसकार द्वारा चालू की गई केपीटल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ताकि कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में और प्रगति हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा में केपीटल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी की राशि **2 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दी है।**

कृषक श्री मोटाराम, ग्राम–नानी (सीकर) ने बताया की उन्होंने एक फार्म पौण्ड का निर्माण कराया है जिसके पानी से वे मशरुम की खेती करेंगे । 40 बीघा भूमि में अनार के पौधे लगाये हैं। प्रतिमाह 1–5 तारीख तक कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन कर उन्हें खेती की उन्नत तकनीकी जानकारी देते हैं। कृषक श्री खेमाराम जाट, तहसील–मौजमाबाद, जिला–जयपुर ने अवगत कराया कि वे ड्रिप एवं मल्च का प्रयोग कर खरबूजा एवं ककड़ी की बहुत ही अच्छी खेती कर रखे हैं। उन्होंने 4000 वर्ग मीटर में एक पॉली हाउस लगा रखा है जिससे दो महिने में लगभग 6.50 लाख रुपये की आमदनी प्राप्त होने की संभावना है। वे शेडनेट का निर्माण भी करवा रहे हैं। बैठक में अन्य कृषकों ने भी अपने द्वारा अपनायी जा रही उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में बताया।

निदेशक उद्यान ने अवगत कराया कि उद्यानिकी फसलें जो नेशनल हार्टिकल्चर मिशन में चयनित नहीं हैं, उनके लिए राज्य योजना के तहत अनुदान 7000 हजार से बढ़ाकर 30,000 कर दिया है। तीन एक्सीलेन्स सेन्टर्स की स्थापना की जा चुकी है। डेटपॉम 500 हैक्टर से अधिक क्षेत्र में लगाया जा चुका है, जिससे किसानों को अधिकतम 300 रुपये प्रति किलोग्राम का मूल्य प्राप्त होगा। कृषि राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार लीलावाली ने कृषकों से सरकारी योजनाओं से ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आह्वान किया।

प्रमुख शासन सचिव (कृषि) श्री बी.डी. गुप्ता ने बताया कि ड्रिप व स्प्रिंकलर को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के साथ पॉली हाउस, शैड नेट हाउस खेती को भी कृषक बढ़ावा दें। इस अवसर पर आयुक्त, कृषि श्री बी.एस. देथा, अतिरिक्त निदेशक, कृषि (वि0) श्री एम.एल. सालोदिया, संयुक्त निदेशक, कृषि (योजना) श्री जे.एस. संधु, उप निदेशक, कृषि (सूचना) श्री बी.आर. कड़वा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषक भी उपस्थित थे।

आत्मा योजनातर्गत आयोजित "राज्य स्तरीय कृषक सम्मान समारोह" में सम्मानित हुए कृषकों की सूची

राज्य स्तरीय सम्मानित कृषक

श्रीमती संतोष भाकल पत्नि श्री हनुमान सिंह, बूंदी
श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री मांगी लाल प्रजापति, चित्तौडगढ़

जिला स्तरीय सम्मानित कृषक

श्री समर्थ सिंह पुत्र श्री रतन सिंह राठौड़, अरांई, अजमेर
श्री किशनलाल पुत्र श्री लादू जाट, श्रीनगर, अजमेर
श्री सत्यपाल पुत्र श्री चरण सिंह यादव, बहरोड़, अलवर
श्री सूबे सिंह पुत्र श्री हरि सिंह, नीमराना, अलवर
श्री देवी लाल पुत्र श्री हकरीया, घाटोल, बांसवाड़ा
श्री अर्जुन सिंह बामनिया पुत्र श्री पूंजा जी,तलवाड़ा, बांसवाड़ा
श्री राम कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश नन्दवाना, अन्ता, बारां
श्री अर्जुन लाल पुत्र श्री कालू लाल धाकड, अटरू, बारां
श्री कलाराम पुत्र श्री रणछोडराम चौधरी, बालोतरा, बाड़मेर
श्री हनुमानराम पुत्र श्री मोडाराम चौधरी, बालोतरा, बाड़मेर
श्री गोपाल सिंह पुत्र स्व. श्री नारायण सिंह जाट, सेवर, भरतपुर
श्री मान सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह सैनी, वैर, भरतपुर
श्री देवी लाल पुत्र श्री जगन्नाथ कहार, शाहपुरा, भीलवाड़ा
श्री भैरू लाल पुत्र श्री गंगाराम धाकड, माण्डलगढ, भीलवाड़ा
श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री धुडा राम विश्नोई, नोखा, बीकानेर
श्री परमेश्वर लाल पुत्र श्री तुलछा राम जाट, श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर
श्री धर्म सिंह पुत्र श्री दलपत सिंह, हिण्डौली, बूंदी
श्री नंद लाल पुत्र श्री भैरू लाल धाकड़, चित्तौडगढ़
श्री अनूप सिंह पुत्र श्री हेमराज मूड, राजगढ़, चूरू
श्री पूर्णमल पुत्र श्री शिवनारायण सैनी, तारानगर, चूरू
श्री शंभूलाल पुत्र श्री बजरंगलाल शर्मा, लालसोट,दौसा
श्री बाबूलाल पुत्र श्री मंगलाराम मीणा, दौसा
श्री धनपाल सिंह पुत्र श्री मान सिंह कुशवाह, धौलपुर
श्री रबीन्द्र सिंह पुत्र श्री श्रीभान सिंह गुर्जर, बसेड़ी, धौलपुर
श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री सुरेश पाटीदार, बिछीवाड़ा, डूंगरपुर
श्री लालशंकर पुत्र श्री कानजी रोत, सीमलवाड़ा, डूंगरपुर
श्री आजाद पुत्र श्री हरीराम जाट, भादरा, हनुमानगढ़
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री रावताराम जाट, पीलीबंगा, हनुमानगढ़
श्री मालीराम पुत्र श्री गोपाल रैगर, विराटनगर, जयपुर
श्री सुरेश चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र मीणा, दूदू, जयपुर
श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री सुल्तान खां मुस्लमान, जैसलमेर,
श्री अलसी सिंह पुत्र श्री रूप सिंह राजपूत, जैसलमेर
श्री रामाराम पुत्र श्री पांचाजी, सायला, जालौर
श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री बने सिंह, रानीवाड़ा, जालौर
श्री विष्णु प्रसाद पुत्र श्री रामगोपाल पाटीदार, बकानी, झालावाड़
श्री मो. शरीफ पुत्र श्री गफूर मुसलमान, खानपुर, झालावाड़
श्री बनवारी लाल पुत्र श्री रामदेवा राम जाट, झुन्झुनू
श्री सुनिल कुमार पुत्र श्री दरियासिंह जाट, अलसीसर, झुन्झुनू
श्री अचलाराम पुत्र श्री गोबरराम माली, मण्डोर, जोधपुर
श्रीमती गीता पत्नी श्री मंगलाराम जाट, बिलाड़ा, जोधपुर
श्री मुनीम सिंह पुत्र श्री शिब्बी राम गुर्जर, टोडाभीम, करौली
श्री अमर लाल पुत्र श्री सन्नू जाटव, करौली
श्री सूरजमल पुत्र श्री हरि वल्लभ धाकड, सुल्तानपुरा, कोटा
श्री राम लाल पुत्र श्री राम चन्द्र धाकड, लाड़पुरा, कोटा
श्री लालूराम पुत्र श्री अणदाराम जाट, परबतसर, नागौर
श्री रामदेव पुत्र श्री प्रेमाराम चौधरी जाट, लाडनूं, नागौर
श्री जोगाराम पुत्र श्री हरजीराम कुमावत, जैतारण, पाली
श्री विजय सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, रानी, पाली
श्री भागीरथ पुत्र श्री हरलाल शर्मा, छोटीसादड़ी, प्रतापगढ़
श्री भेरूलाल पुत्र श्री हेमराज तेली, प्रतापगढ़
श्री कान सिंह पुत्र श्री चतर सिंह राव, राजसमंद, राजसमंद
डॉ. हरि सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह चौहान, भीम, राजसमंद
श्री जीतमल पुत्र श्री गोविन्द राम बैरवा, सवाईमाधोपुर,
श्री जगदीश पुत्र श्री विजय राम मीणा, सवाईमाधोपुर,
श्री उम्मेद कुमार पुत्र श्री लक्ष्मणा राम बलाई, फतेहपुर, सीकर
श्री झाबर मल पुत्र श्री बालू राम यादव, नीम का थाना, सीकर
श्री गलवाराम पुत्र श्री दयाराम माली, रेवदर, सिरोही
श्री भरत कुमार पुत्र श्री पूर्णा शंकर दवे, शिवगंज, सिरोही
श्री सुख देव सिंह पुत्र श्री गुरदीप सिंह, अनूपगढ, श्रीगंगानगर
श्री जसपाल सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह, श्रीकरणपुर, श्रीगंगानगर
श्री रतन लाल पुत्र श्री महादेव मीणा, देवली, टोंक
श्री रतन लाल पुत्र श्री जगदीश जाट, टोडारायसिंह, टोंक
श्री फतह लाल पुत्र श्री जयकिशन कुमावत, मावली, उदयपुर
श्री शंकर लाल पुत्र श्री राम लाल जाट, मावली, उदयपुर

साथ ही 430 कृषकों को पंचायत समिति स्तर पर सम्मानित किया गया।

रबी 2012–13 हेतु प्रमाणित बीज की विक्रय दरें घोषित

रबी 2012–13 में सामान्य वितरण हेतु राजस्थान स्टेट सीड्स कार्पोरेशन लि0 ने निम्नलिखित प्रमाणित बीजों की विक्रय दरें घोषित की हैं :–

क्र. स.	फसल	किस्म	विक्रय दर रु. प्रति क्विंटल (एम. आर. पी.)
1.	चना	जी.एन.जी.–1581, 1488, आर.एस.जी.–896, 902, 991, 807, 973, 945, 963, 895, 931,प्रताप सी–1, सी.एस.जे.डी.– 884	5200
2.	चना	शेष अन्य किस्में	5500
3.	सरसों	पूसा बोल्ड, लक्ष्मी आर.एच.–30, बायो–902	4700
4.	सरसों	शेष अन्य किस्में	4600
5.	सौंफ	सभी किस्में	10,000
6.	मेथी	सभी किस्में	4700
7.	तारामीरा	सभी किस्में	4500

पृष्ठ 1 का शेष...........रबी अभियान......

योजनाओं के लिए बैंक से ऋण के लिए आवेदन पत्र तैयार कर स्वीकृत कराना।

- कृषि से संबंधित दो नवीन कार्यक्रमों यथा "वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम" एवं "त्वरित चारा विकास कार्यक्रम" के अन्तर्गत चयनित कृषकों का लाभार्थी कार्ड बनाया जाएगा।
- जैविक खेती, समन्वित कीट प्रबंधन पद्धति की जानकारी।
- पौध संरक्षण उपकरण, जिप्सम, जैव उर्वरक आदि कृषि आदानों हेतु प्राथना पत्र तैयार किये जायेंगे।
- महिलाओं को रबी फसलों के बीज मिनिकीट वितरण।
- जल के कुशलतम उपयोग हेतु सिंचाई पाइपलाइन, खेत तलाई, जल हौज, डीग्गी के निर्माण हेतु प्रार्थना पत्र तैयार करवाना।
- उद्यान विभाग की राष्ट्रीय बागवानी मिशन, सूक्ष्म सिंचाई योजना आदि की जानकारी व आवेदन प्रपत्र तैयार कराना।
- फलदार पौधों की मांग एकत्रित करना।
- स्वरोजगार हेतु मधुमक्खी पालन, मशरुम उत्पादन, नर्सरी स्थापना के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करना।
- राजीव गांधी कृषक साथी योजना एवं आपणी रसोई योजना की जानकारी प्रदान करना।
- कृषकों से सम्बन्धित अन्य योजनाओं की जानकारी।

पक्का बिल जरुर लें

स्वत्वाधिकारी कृषि विभाग राजस्थान सरकार के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक आयुक्त कृषि, कृषि विभाग राजस्थान, जयपुर द्वारा कृषि सूचना मुद्रणालय जयपुर से मुद्रित और पंत कृषि भवन, जनपथ, जयपुर से प्रकाशित।

प्रकाशक – भवानी सिंह देथा
सम्पादक – भंवरा राम कड़वा
सह सम्पादक – पूनम चौधरी
परामर्श – शिवजी राम कटारिया
डिजाइनर – आर. मैसी

कृषि सूचना मुद्रणालय/सितम्बर 2012/194/200000